# राम राम पाहि राम

## रागम्: भूपाळम्  ताळम्: रूपकम्

(श्री स्वाति तिरुनाळ् विरचित)

पल्लवि

राम राम पाहि राम

अनुपल्लवि

काम कामनीयकाङ्ग हेमाम्बर मुख विहसित
सोमसोमविनुत नृपललाम महितकान्तिसीम

चरणम्

सेवकजनसमवरद सीतावरसुखकर द -

रावलोक घनशरद रम्यकेश वरद

भूवलयाधिपकरदभूप गमजितद्विरद-
भावसकलगदहर दयाविलसितरुचिर ॥ १ ॥

काननविरचितचरण कञ्जताम्रतरचरण

सूनहार शुभकरण सूर्यकुलाभरण

दानवकुलमदहरण दीनदीनजनशरण
मौनिकल्पितस्मरण माननीय महितरण ॥ २ ॥

पालितकौशिकसवन पद्मनाभ मरुदवन

शैलवैरिकृतनवन शान्तसागरवन

नीलगात्रगुणभवन नीतिहीनघनपवन
सालभेदकृतजवन सरोजाक्ष भृतभुवन ॥ ३ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇